शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, रायपुर 492 001 (छत्तीसगढ़)

(पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध)

बी.ए.–हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

बी.ए. / बी.एस.सी. / बी.एच.एस.सी. / बी.कॉम

प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय वर्ष

(आधार पाठ्यक्रम) हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र् 2020–21

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय

रायपुर 492001 (छत्तीसगढ़)

(पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2020–21

बी.ए.—हिन्दी साहित्य

अंक विभाजन

बी. ए. – प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र			कुल अंक
प्रथम	– प्राचीन हिन्दी काव्य	–	75
द्वितीय	– हिन्दी कथा साहित्य	–	75

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम	– हिन्दी भाषा	–	75

बी. ए. – द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र			कुल अंक
प्रथम	– अर्वाचीन हिन्दी काव्य	–	75
द्वितीय	– हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ	–	75

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम	– हिन्दी भाषा	–	75

बी. ए. – तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र			कुल अंक
प्रथम	– जनपदीय भाषा – साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	–	75
द्वितीय	– हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन	–	75

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम	– हिन्दी भाषा	–	75

बी.ए.–तृतीय वर्ष
हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र
जनपदीय भाषा – साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

अधिकतम अंक–75

प्रस्तावना –

हिन्दी केवल खड़ी बोली नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा भाषिक समूह है। हिन्दी जगत में अनेक विभाषाएँ, बोलियाँ, उपबोलियाँ विद्यमान है जिनमें पुष्कल साहित्य सम्पदा है। इनके सम्यक अध्ययन और अन्वेषण की आवश्यकता है। जनपदीय छत्तीसगढ़ी निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हो रही है। अस्तु, इस भाषा का और इनमें रचित साहित्य का इतिहास–विकास करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना हिन्दी के वृहत्तर हित में होगा। छत्तीसगढ़ी भाषा पाठ्यक्रम निम्न बिन्दुओं पर आधारित है :–

(क) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास–विकास
(ख) छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास
(ग) छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन

पाठ्य विषय –

रचनाएँ –

(1) प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद –
   1. गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो
   2. नैन आगे ख्याल घनेरा
   3. भजन करौ भाई रे, अइसन तन पाय के

(2) लखनलाल गुप्त का गद्य –
   1. सोनपान
      (गद्य – पुस्तक 'सोनपान' से उद्धृत)

(3) अर्वाचीन रचनाकार –
   डॉ. सत्यभामा आडिल रचित गद्य
   1. सीख सीख के गोठ
      (गद्य पुस्तक 'गोठ' से उद्धृत)

(4) डॉ. विनय पाठक की कविताएँ –
   1. तँय उठथस सुरूज उथे
   2. एक किसिम के नियाव
      ('अकादसी और अनचिन्हार' पुस्तक से उद्धृत)

(5) मुकुन्द कौशल – छत्तीसगढ़ी गजल –
   1. ''छै बित्ता के मनखे देखें ..... से – मछरी मन लाख लेथें'' तक
      (पुस्तक 'छत्तीसगढ़ी गजल' के पृष्ठ 17 से उद्धृत)

द्रुतपाठ के रचनाकार–(व्यक्तित्व एवं कृतित्व) –

1. सुन्दर लाल शर्मा
2. कपिलनाथ कश्यप
3. रामचन्द्र देशमुख (रंगकर्मी)

अंक विभाजन

1.	3 व्याख्याएँ	– 30 प्रतिशत	– 21 अंक
2.	2 आलोचनात्मक प्रश्न	– 30 प्रतिशत	– 24 अंक
3.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	– 20 प्रतिशत	– 15 अंक
4.	15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघुत्तरीय प्रश्न	– 20 प्रतिशत	– 15 अंक
			कुल 75 अंक

इकाई विभाजन –

इकाई–1 व्याख्या
इकाई–2 प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकार
इकाई–3 (अ) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास
(ब) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
इकाई–4 द्रुतपाठ के तीन रचनाकार
इकाई–5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरीय प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	29/12
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	29.12.20
कु. मिनेश्वरी साहू	MEMBER OF THE DEPARTMENT	

बी.ए.–तृतीय वर्ष
हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

अधिकतम अंक–75

प्रस्तावना –

हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गुढ़–गहन भी। इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षों का इतिहास पूरा कर लिया है। इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। इसी के साथ–साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया है, उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेश होगा।

पाठ्य विषय –

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास – हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकार भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप :–

1. बोलचाल की भाषा 2. रचनात्मक भाषा 3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा 5. सम्पर्क भाषा 6. संचार भाषा।

हिन्दी का शब्द भण्डार – तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।

(ग) काव्यांग – काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन। रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंगह, विभावादि तथा उदाहरण।

प्रमुख 5 छंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया।
शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनरूक्ति प्रकाश।
अर्थालंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, भ्रांतिमान।

संदर्भ ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक–डॉ. सुशील त्रिवेदी व बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक–म.प्र.उ.शि. अनुदान आयोग)
2. राजभाषा हिन्दी – मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)
3. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी।

अंक विभाजन

1.	4 आलोचनात्मक प्रश्न	–	44 अंक
2.	4 लघुत्तरीय प्रश्न	–	16 अंक
3.	15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	15 अंक
		कुल	**75 अंक**

इकाई विभाजन –

इकाई–1 हिन्दी भाषा का स्वरूप – विकास (खण्ड–'क')
इकाई–2 हिन्दी का शब्द भण्डार (खण्ड 'क' का अंतिम भाग)
इकाई–3 हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड 'ख')
इकाई–4 काव्यांग – रस, छंद, अलंकार (भाग 'ग')
इकाई–5 लघुत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	29/12
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	29.12.20
कु. मिनेश्वरी साहू	MEMBER OF THE DEPARTMENT	

बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.सी.–तृतीय वर्ष

आधार पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – प्रथम

हिन्दी भाषा

अधिकतम अंक : 75 **न्यूनतम अंक : 26**

(बी.ए., बी.एस–सी., बी.एच.एस–सी., बी.काम, तृतीय वर्ष के पुनरीक्षित एकीकृत आधार पाठ्यक्रम एवं पाठ्य सामग्री का संयोजन 2000–01 से लागू है)

प्रस्तावना –

सम्प्रेषण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान

आधार पाठ्यक्रम की संरचना और अनिवार्य पुस्तक–हिन्दी भाषा एवं समसामयिकी–का संयोजन इस तरह किया गया है कि सामान्य ज्ञान की विषय वस्तु–विकासशील देशों की समस्याओं–के माध्यम, आधार और साथ–साथ हिन्दी भाषा का ज्ञान और उसमें सम्प्रेषण कौशल अर्जित किया जा सके। इसी प्रयोजन से व्याकरण की अन्तर्वस्तु को विविध विधाओं की संकलित रचनाओं और सामान्य ज्ञान की पाठ्य सामग्री के साथ अन्तर्गुस्फित किया गया है। अध्ययन–अध्यापन के लिए पूरी पुस्तक की पाठ्य सामग्री है और अभ्यास के लिये विस्तृत प्रश्नावली है। यह प्रश्न पत्र भाषा का है अतः पाठ्य सामग्री का व्याख्यात्मक या आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित नहीं है। पाठ्यक्रम और पाठ्य सामग्री का संयोजन निम्नलिखित पाँच इकाइयों में किया जाता है। प्रत्येक इकाई दो भागों में विभक्त किया गया है :–

पाठ्य विषय –

इकाई–1 (क) भारत माता : सुमित्रानंदन पंत, परशुराम की प्रतीज्ञा : रामधारी सिंह दिनकर, बहुत बड़ा सवाल : मोहन राकेश, संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल।

(ख) कथन की शैलियाँ : रचनागत उदाहरण और प्रयोग।

इकाई–2 (क) विकासशील देशों की समस्यायें, विकासात्मक पुनर्विचार और प्रौद्योगिकी एवं नगरीकरण।

(ख) विभिन्न संरचनाएँ।

इकाई–3 (क) आधुनिक तकनीकी सभ्यता, पर्यावरण प्रदूषण तथा धारणीय विकास।

(ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख।

इकाई–4 (क) जनसंख्या : भारत के संदर्भ में और गरीबी तथा बेरोजगारी।

(ख) अनुवाद।

इकाई–5 (क) ऊर्जा और शक्तिमानता का अर्थशास्त्र।

(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन और विभिन्न प्रकार के निमंत्रण–पत्र।

मूल्यांक योजना :

प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक इकाई दो–दो खंड (क्रमशः 'क' और 'ख' में) विभक्त है, इसलिए प्रत्येक प्रश्न के भी दो भाग (क्रमशः 'क' और 'ख') होंगे। 'क' अर्थात पाठ एवं सामान्य ज्ञान से संबद्ध प्रश्न के अंक 8 एवं 'ख' अर्थात भाषा एवं सम्प्रेषण कौशल से संबद्ध प्रश्न के अंक 7 होंगे। इस प्रकार पूरे प्रश्न पत्र के पूर्णांक 75 होंगे।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	29/12
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	29.12.20
कु. मिनेश्वरी साहू	MEMBER OF THE DEPARTMENT	